Vision of District@2047

From Aspirational to inspirational District

District – Dholpur (Rajasthan)

भारत सरकार के निर्देशानुसार धौलपुर जिले में सुशासन प्रणाली के क्रम में दिनांक 23.12.2022 को समस्त विभागीय अधिकारियों व जिले में अग्रणी स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विचार–विमर्श उपरांत धौलपुर जिले हेतु विजन 2047 निम्नानुसार प्रस्तावित किया गया–

- **शिक्षा विभाग–**
  - **ड्रॉपआउट रेट 0 प्रतिशत करनाः–** वर्तमान में कक्षा 05 से 06 की ड्रॉपआउट रेट 8.38 प्रतिशत तथा कक्षा 08 से 09 की ड्रॉपआउट रेट 2 प्रतिशत है जिसे 2047 तक शून्य (0 प्रतिशत) कराना तथा 100 प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित करना।
  - **समस्त विद्यालयों में स्मार्ट लैब/कम्प्यूटर लैब स्थापनाः–** वर्तमान में धौलपुर जिले के 1140 विद्यालयों में से 240 विद्यालयों में ही कम्प्यूटर लैब स्थापित है तथा 25 विद्यालयों में स्मार्ट लैब है। 2047 तक 100 प्रतिशत विद्यालयों में स्मार्ट लैब/कम्प्यूटर लैब स्थापित करना।
- **जल संसाधन विभाग –**
  - सम्पूर्ण राज्य में सिंचाई हेतु वर्तमान में प्रचलित फ्लो इरीगेशन सिस्टम को प्रेशर इरीगेशन सिस्टम में बदलकर कम पानी से अधिक से अधिक फसलों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
  - रिवर लिंकिंग प्रणाली को अपनाकर इन्ट्रा बेसिन पानी को ट्रांसफर कर बरसात में नदियों में व्यर्थ बहने वाले पानी को रोककर सिंचाई में उपयोग किया जायेगा जिससे देश में बढ़ती हुई आबादी के लिए अधिक से अधिक फसल/अनाज उपलब्ध हो सकेगा।
- **बिजली विभाग–**
  - जिलें में कुल तकनीकी एवं वाणिज्यिक नुकसान को 15 प्रतिशत से कम पर लाना।
- **महिला एवं बाल विकास विभाग(आईसीडीएस)–**
  - जिलें की समस्त आंगनबाड़ियो का डिजीटलीकरण कर स्मार्ट आंगनबाड़ी का स्वरूप प्रदान करना।
  - समस्त रिकॉर्ड का डिजीटलीकरण करना।

- **परिवहन विभाग–**
    - जिले में मोटर व्हीकल अधिनियम का उल्लंघन करने वालों पर स्मार्ट सीसीटीवी कैमरे की निगरानी के माध्यम से जुर्माना एवं चालान की स्वचालित प्रक्रिया को अपनाना।
    - वर्तमान में मालवाहक वाहनों के चालान हेतु मैन्युअल व्यवस्था को ऑटोमैटिक चालान व्यवस्था में परिवर्तित करना ताकि लॉजिस्टिक लागत में कमी लाई जा सके।
- **कृषि विभाग–**
    - जैविक खेती अभियान के तहत जिले में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करना, जिससे मृदा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।
    - वर्तमान में प्रचलित यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया से प्रतिस्थापित करना ताकि फसल उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ मृदा की गुणवत्ता बनी रहे।
    - जिले के असिंचित क्षेत्रों में फार्म पोण्ड बनाकर कृषि योग्य सिंचित भूमि के रकबे में वृद्धि करना तथा फसल वर्ष 2 से भी अधिक फसल लेने के लिए सिंचाई हेतु जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
    - समस्त कृषकों को कृषि यंत्रों को अनुदान पर उपलब्ध कराते हुए 100 प्रतिशत कृषि यंत्रीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना तथा कृषक मित्रों द्वारा ज्यादा से ज्यादा कृषकों को आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करवाना।
- **जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग–**
    - वर्तमान में धौलपुर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत दिनांक 23.12.2022 तक 25447 घरेलू जल कनेक्शन दिए जा चुके है एवं मार्च 2024 तक कुल 196057 का लक्ष्य प्रस्तावित है। वर्ष 2047 तक सभी ग्रामों के सभी घरों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केंद्रों तक नल के माध्यम से बिना भेदभाव के शुद्ध पेयजल का वितरण के लक्ष्य को प्राप्त करना।
- **सार्वजनिक निर्माण विभाग–**
    - जिले के समस्त राज्य मार्गों एवं मुख्य जिला सड़कों के निमार्ण में गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना मुक्त सड़कों के निमार्ण का लक्ष्य प्राप्त करना।
- **ग्रामीण विकास विभाग–**
    - प्रत्येक गांव को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने का लक्ष्य प्राप्त करना, जिसके अंतर्गत वाई–फाई इंटरनेट की सुविधा, भूमि रिकॉर्डो का डिजीटलीकरण, समस्त सेवाओं की ऑनलाईन पोर्टल/ एप के माध्यम से प्रदायगी आदि की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

- **स्वास्थ्य विभाग–**
  - वर्तमान में धौलपुर जिले का शिशु मृत्यु दर 25.56 तथा मातृ मृत्यु दर 167.34 है। वर्ष 2047 तक इसे शून्य पर लाना।
  - संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर वर्तमान के 98.79 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त करना।

- **उद्योग विभाग–**
  - धौलपुर जिला एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग का हब बनकर उभरने की पूरी क्षमता रखता है। जिले में दुग्ध उत्पादन, सरसों उत्पादन, आलू का अधिक उत्पादन किया जाता है एवं जंगली गोंद प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। भारत सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना में भी जिले को आलू प्रसंस्करण हेतु चयनित किया गया है। जिले को एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग का हब बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना।

इसप्रकार धौलपुर आशान्वित जिले से आगे बढ़कर एक प्रेरणादायी जिला बन जाएगा और राजस्थान राज्य के भीतर मानव विकास सूचकांक के मामले में शीर्ष तीन जिलों में होगा। यह अपने चंबल अभ्यारण्य, विरासती स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों और प्राकृतिक आवासों के लिए देशी–विदेशी पर्यटकों के लिए हॉट स्पॉट होगा।

यह लाल पत्थरों, सरसों के कारोबार, डेयरी उत्पादों और संबद्ध उद्योगों के लिए एक सुस्थापित निर्यात केंद्र होगा। जिले के ग्राम और कस्बे समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए विकास इंजन बनेंगे और स्वच्छता, शहरी प्रशासन और नागरिक केंद्रित प्रतिक्रिया तंत्र और निवारण मॉडल के मामले में राज्य के शीर्ष दस शहरों में शामिल होंगे।

महिला किसानों की समान भागीदारी के साथ सभी ब्लॉक मुख्यालयों और संभावित विकास केंद्रों में फलते–फूलते किसान बाजार होंगे। जिला महिला सशक्तिकरण, महिला संस्थानों और स्थानीय शासन और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी का रोल मॉडल होगा।

जिला उद्यमिता फोरम युवाओं और महिलाओं की उद्यमशीलता और उद्यमशीलता की क्षमता को उजागर करने के लिए एक इको सिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे सैकड़ों स्टार्ट अप सभी के लिए रोजगार सृजित होंगे।

Good Governance Workshop
2022
धौलपुर

COOD GOVERNANCE WEEK

सुपोषित बचपन

ICDS और RBSK से वंचित 0-6 आयु वर्ग के 1.26 Lac बच्चों को कुपोषण मुक्त करने हेतु एक पहल

प्रगति रिपोर्ट
DEC2022

अनिल कुमार अग्रवाल
जिला कलेक्टर, धौलपुर

DEMOGRAPHY	
AREA	3,034 Sq Kms
POPULATION	12.07 Lacs (2011) 16.05 Lacs (Estimated 2022)
(0-6) Years Children	2.17 Lacs (2011) 2.44 Lacs (Estimated 2022)

NFHS-5 (National Family Health Survey) Data Findings (2019-21)		
Parameters	**State**	**Dholpur**
Underweight	27.6%	31.3%
Stunted (Low height for age)	31.8%	45.7%
SAM	7.6%	6.3%
Wasted(Skeleton body)	16.8%	13.7%

ICDS SETUP IN THE DISTRICT

- Total 1.18Lac Children Covered in existing ICDS setup

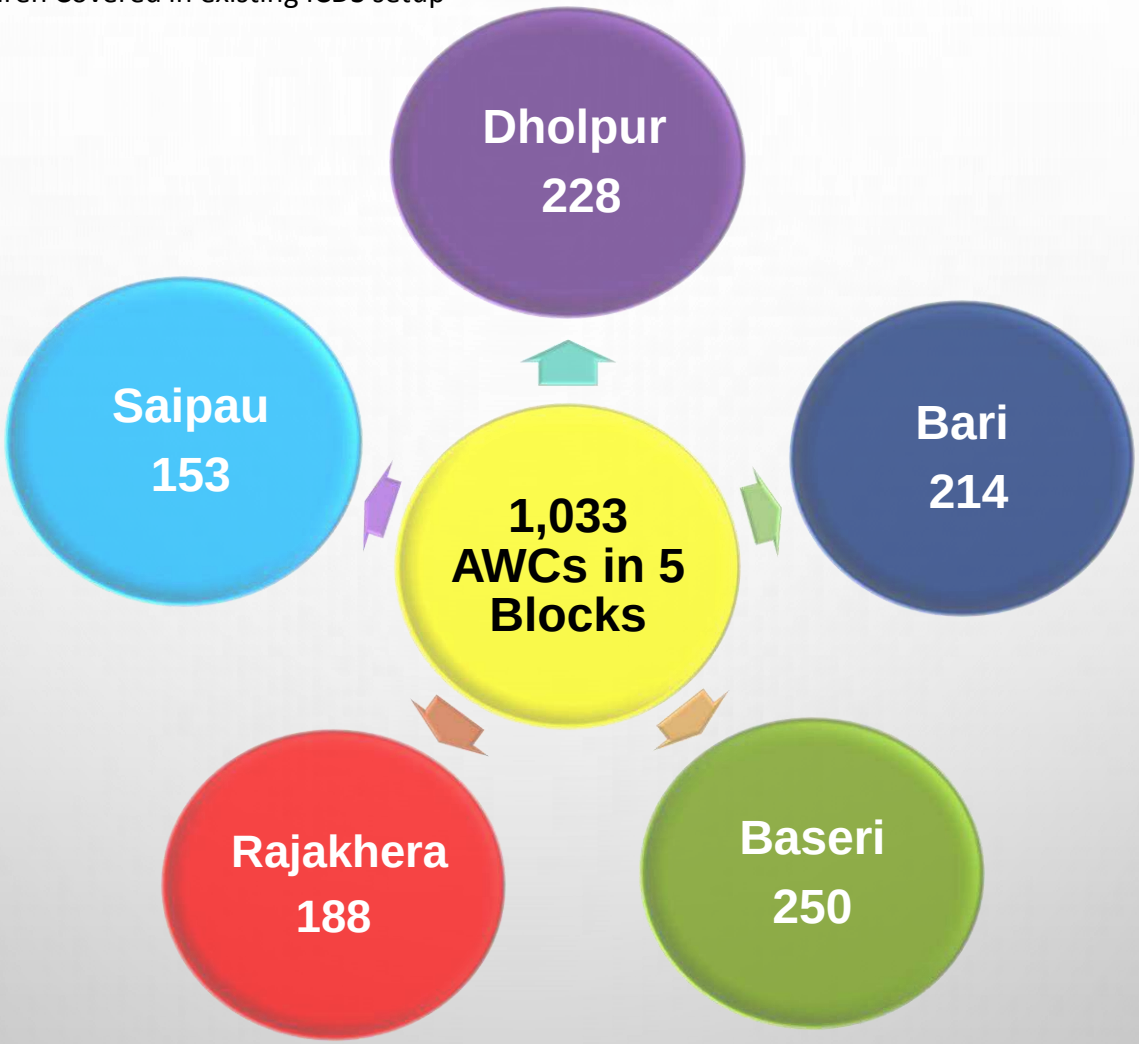

New block Sarmathura sanctioned for which land allotted. Presently included in baseri.

WHAT WAS THE NEED?

- No AWC in 104 Revenue Villages and 41 Urban Wards.
- 102 Villages required more AWCs (having population over 800).
- 1.26 Lac children were not covered in regular ICDS and RBSK setup.
- This Gap is being bridged in the above fields through this initiative

METHODOLOGY

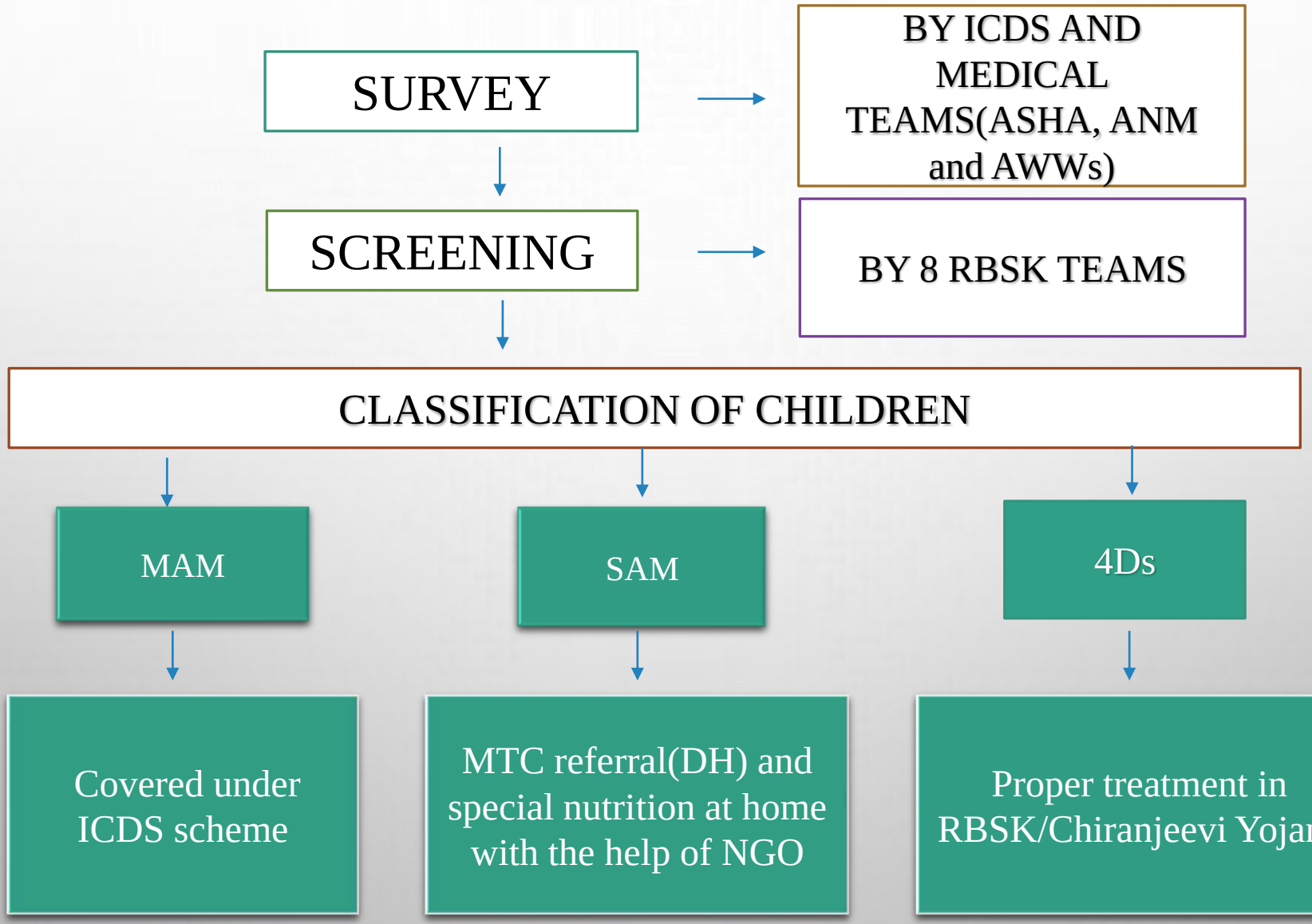

Continued…

Activities with Timelines

SURVEY	5th April-10th May 2022 Status: Completed (1.26L Children identified for screening)
SCREENING	11th May-15th December 2022 Status: Completed 122336 Children Screened of which 2818 Identified for treatment
TREATMENT	25th May-31st December 2022 Status: 2789 children given treatment till 22 December

Continued…

Disease Profile of Identified Children

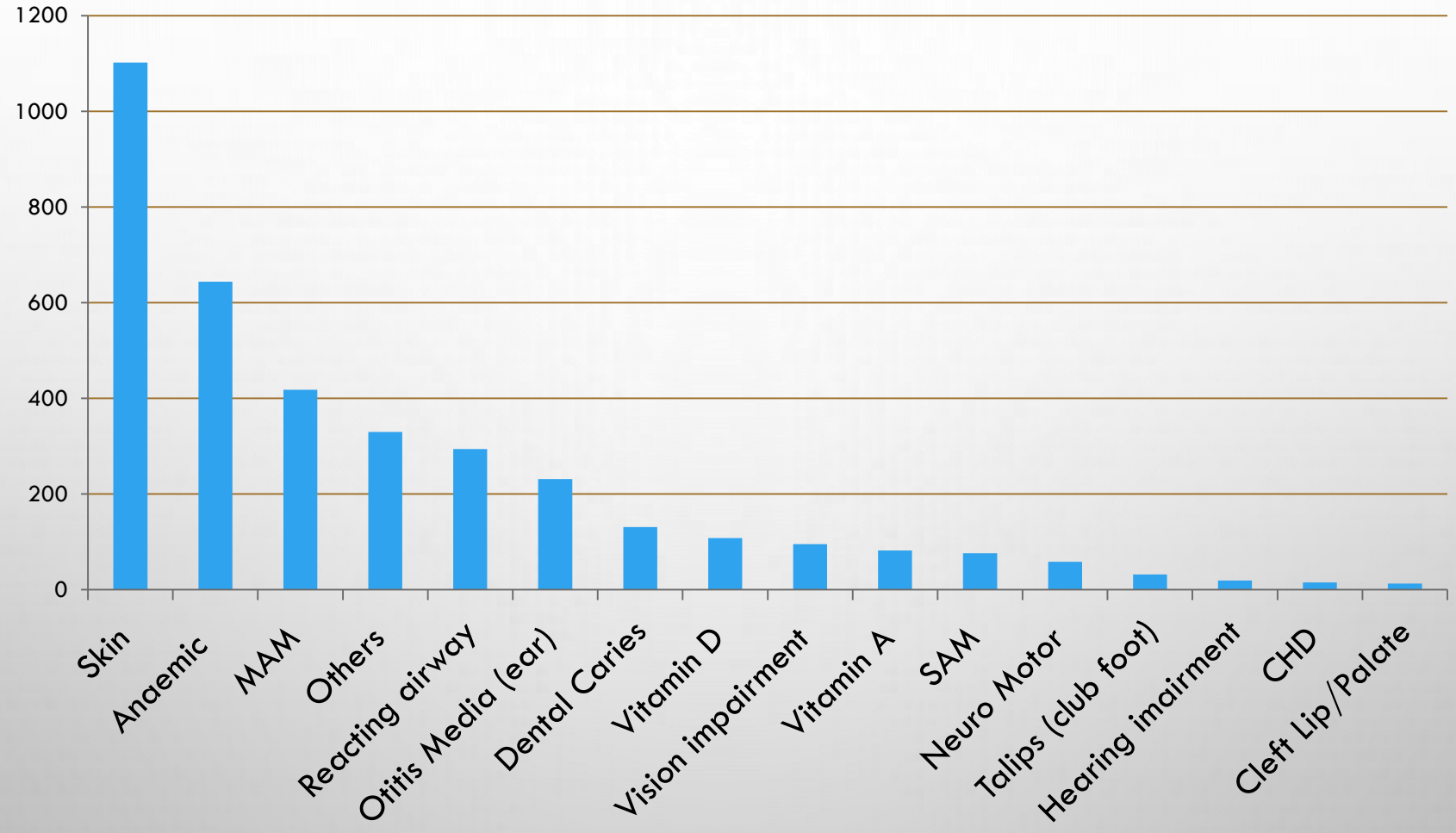

PROGRESS

S No	Parameter	Target/ Identified	Progress till 28th oct.2022 (last Review)	Progress from 28 oct - 15st December	Cumulative Progress till 15st December	Remaining with percentage
1	Survey	1.26 L	Completed	-	1.26L children	-
2	Screening of Children (In Progress)	1.26 L	75374	46962	122336	-
3	MAM Identified	415	268	147	415	-
4	SAM Identified	95	66	29	95	-
5	4D other than sam,mam	2308	1668	640	2308	-
6	Total number of children given treatment	2818	1990	799	2789 (98.97%)	29 (1.03%)
7	Children referred to MTCs(SAM)	95	66	29	95	-
8	Children registered at AWCs(MAM)	415	268	147	415 (100%)	100%
9	Children with CHD	15	15	0	15	-
10	Children operated (CHD)	15	-	7	7	8
11	Children under treatment(CHD)	8	8	0	8	

STATUS OF THE TREATMENT

- EVERY WEDNESDAY IS A FOLLOW UP DAY OF RBSK TEAM.
- TREATMENT HAS BEEN GIVEN AT NEAREST PHC/CHC/SDH.
- IN CHD(CONGENITAL HEART DISEASES) CASES 7 CHILDREN OUT OF 15, OPERATED IN VARIOUS HOSPITALS IN JAIPUR,RAJKOT,AHMEDABAD.REST 8 ARE UNDER TREATMENT.
- IN CLCP(CLEFT LIP & CLEFT PALATE) CASES 7 CHILDREN HAS BEEN OPRTAED TILL NOW.
- SAM CHILDREN AND MAM CHILDREN HAS BEEN REGISTERED AT NEAREST AWC.
- FOR ANAEMIC CHILDREN,ON EVERY TUESDAY SHAKTI DIWAS BEING CELEBRATED.
- VITAMIN A SUPPLEMENTATION GIVEN TO VIT A DEFICIENCY CHILDREN.

WAY FORWARD

- This programme has been expanded to registered children of awc and schools.They are also being screened by mediacal teams.
- In our district,a further initiative has been taken up as 50000 rajivika self help group memmbers also being screened by medical teams at chc or phc level.

Some Glimpses of Camps at AWCs

Height Measurement, Purani Chhawani Dholpur

Weight Measurement, Neemkhera Bari

Camp Barehmori

Awareness Campaign, Jatoli

Rajakhera

Aangai,sarmathura

Bichola Rajakhera

Master Aafreen, Operated at Jaipur on 29th July, 2022

Arjun, Operated at Shri Satya Sai hospital Ahmedabad on 20th September, 2022

Gratitude expressed by father of operated Child, Baby Deeksha D/o Chandrapal Singh, Village Pali Block Baseri

DETAILS OF CHILDREN WITH CHD

S.No	Name of Child	Father Name	Name of AWC	Name of Block	Name of Team	Referred Detail	Remark
1	Ayush	Shrikant	Nadoli	Rajakhera	A	Referred to J.K. Lone Hospital, Jaipur	Under Treatment
2	Nitesh	Pintu	Faraspura	Rajakhera	A	Referred to J.K. Lone Hospital, Jaipur	Under Treatment
3	Sirsa	Jeetu	Ward No. 4 Ambarpur, Rajakhera	Rajakhera	A	Referred to SMS Hospital, Jaipur	Under Treatment
4	Aman	Ramveer	Mahadpur	Rajakhera	B	Referred to Indus Hospital, Jaipur	Under Treatment
5	Ashu	Nawal Singh	Surothi	Bari	A	Referred to Indus Hospital, Jaipur	Under Treatment
6	Pari	Raju	Laloni Har	Bari	A	Referred to J.K. Lone Hospital, Jaipur	Under Treatment

DETAILS OF CHILDREN WITH CHD

Continued…

S.No	Name of Child	Father's Name	Name of AWC	Name of Block	Name of Team	Referred Detail	Remark
7	Sakshi	Ajab singh	Kallapura PHC Tontri	Bari	A	Referred to SMS Hospital, Jaipur	Under Treatment
8	Hardik	Virendra	Batipura	Bari	B	Operation Done in Indus Hospital, Jaipur	Treated
9	Yadvendra	Raghuveer	Baroli ka pura	Bari	B	Referred to Satya Sai hospital, Rajkot, Gujrat	Under Treatment
10	Rishika	Harjeet	Baroli ka pura	Bari	B	Operation Done in Satya Sai hospital, Rajkot, Gujrat	Under Treatment
11	Deeksha	Chandrapal	AWC Pali	Baseri	A	Operation Done in Satya Sai hospital, Rajkot, Gujrat	Treated
12	Afreen	Rasheed Ahmad	Vill. Donari	Dholpur	B	Operation Done in Indus Hospital, Jaipur	Treated

DETAILS OF CHILDREN WITH CHD

Continued…

S.No	Name of Child	Father Name	Name of AWC	Name of Block	Name of Team	Referred Detail	Remark
13	PARI	RAJKUMAR	MANGAL VIHAR	Dholpur	A	Referred to SMS Hospital, Jaipur	Under Treatment
14	Arjun	Bharat Singh	Rajakhera	Rajakhera	A	Operation Done in Satya Sai Hospital, Ahmedabad	Treated
15	Aman	Ramveer	Mahadpur	Rajakhera	B	Operation Done in SMS Hospital, Jaipur	Treated

THANK YOU

आत्मरक्षा प्रशिक्षण गतिविधि

विवरण

जिला – धौलपुर

धौलपुर जिले की बेटियॉ आत्मरक्षा में हों रही है पारंगत

राज्य की बेटियों को भयमुक्त वातावरण मिले और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो, इस हेतु माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा एवं जिला प्रशासन की दूरदर्शी सोच के परिणाम स्वरुप धौलपुर जिले में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2019–20 में प्रारम्भ किया गया। जिसको राज्य के नवाचार की श्रेणी में रखा गया। बालिकाओं की सुरक्षा हेतु समस्त ब्लॉको में **आत्मरक्षा समन्वय हेतु व्हाट्अप ग्रुप बनाये गये है। जिसमें प्रत्येक विद्यालय से एक–एक महिला आत्मरक्षा प्रभारी को जोड़ा गया है।** छात्राओं को कोई भी शिकायत होने पर तुरन्त ग्रुप पर समस्या प्रस्तुत की जावेगी और यथा शीघ्र समाधान हेतु पुलिस प्रशासन की मदद मिल सकेगी।

उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले की **3350 शिक्षक–शिक्षिकाऐं व महिला कार्मिको** को प्रशिक्षित किया गया व राजकीय/निजी उच्च माध्यमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों की लगभग 90000 बालिकाऐं लाभान्वित हो रही है इस हेतु **प्रतिदिन विद्यालयों में 03.30 से 04.00 बजे प्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिका** द्वारा विद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कराया जा रहा है। जिलें के विभिन्न **भामाशाहों को प्रेरित कर जिले में लगभग 20000 बालिकाओं को ट्रेक सूट वितरित** कराये गये है।

क्र.स.	जिला	सत्र्	आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक/शिक्षिकाऐं	लाभान्वित होने वाली बालिकाओं की संख्या	भामाशाहो द्वारा ट्रेक सूट वितरित से लाभान्वित बालिकाओं की संख्या
1	धौलपुर	2019–20	1100	90000	20000
2	धौलपुर	2020–21	1100		
3	धौलपुर	2021–22	600		
4	धौलपुर	2022–23	550		
योग			3350	90000	20000

आभार सहित धन्यवाद

Patient slip registration of OPD counters at E-Mitra centers (District Dholpur)

Date: 23-Dec-2022 **District: Dholpur**

Need of this initiative

- **Long queue especially during PEAK HOURS -**
  Normal wait peak hours 30- 40 minutes.
- **Problems for ill persons -**
  Had to bring additional family members. Fatigue & Fainting etc while standing in Queue.
- Overloading **affects ambience** of hospital especially during peak hours.
- **Less work for doctors in early morning -**
  Patients could take these slips at registered e-Mitra centres even seven days before.
- **Failure of internet connectivity**.
- **No space for additional counters in hospital -**
  No. of counters and manpower were being increased to cope up with Peak hours load.

Patient slips registered at DH

Duration	Total slips registered	Slips registered at e-Mitra	% slips registered at e-Mitra
Nov-19	14500	175	1.2
Dec-19	29000	1700	5.88
Total	43796	1892	4.32

Year wise Patient slips registered			
Year	**Total slips registered**	**Slips registered at e-Mitra**	**% slips registered at e-Mitra**
2020	3.3 lac	1.23 lac	37.07
2021	4.05 lac	1.84 lac	45.45
Total	7.37 lac	3.07 lac	41.67

- **OPD Counters and operators:**
  - **Prior to implementation - 15 operators** on **10 OPD Counters**
  - **Post implementation - 7 operators** on **4 OPD Counters**.
    1. **2 Counters** in **main building**, **1 in MCH** and **1 counter in Emergency**.
    2. **Emergency** is operational **24*7** so **3 operators** are deployed
- **7 e-Mitra kiosks** have been working on OPD slip registration in Dholpur city.
- Fee of **Rs 30** is payable by the citizens for issuing the patient slip
- **Rs 5 payable to e-Mitra**. This initiative was implemented in **Nov-2019** in DH.

Cost Benefit Analysis

Cost	Amount		Benefit	Amount
Commission given to e-Mitra for issuing 1.84 Lac slips in 2021	**Rs 9.19 Lac**		Reduction in Salary cost For **15 Operators - Rs 21.85** Lac For **7 Operators - Rs 10.19** Lac	**Rs 11.65 Lac**
			Savings on Computer systems & maintenance and Electricity	**Rs 1.54 Lac**
			Income through **Pre-printed stationary** given to e-Mitra (@Rs 992 /1000 slips) in 2021	**Rs 1.84 Lac**
Net Benefit				**Rs 15.03 Lac**
Net Saving (Rs 15.03 Lac - Rs 9.19 Lac)				**Rs 5.84 Lac**

- Salary of 15 operators = 15 Operators * 12 Months * Rs 12137
- Salary of 7 operators = 7 Operators * 12 Months * Rs 12137

Patient slips registered at SDH Bari & CHC Rajakhera

Year wise Patient slips registered in SDH BARI			
Year	**Total slips registered**	**Slips registered at e-Mitra**	**% slips registered at e-Mitra**
2020	**1.17 lac**	**32000**	**27.73**
2021	**1.78 lac**	**70000**	**39.23**
Total	**2.95 lac**	**102000**	**34.68**

Year wise Patient slips registered in CHC Rajakhera			
Year	**Total slips registered**	**Slips registered at e-Mitra**	**% slips registered at e-Mitra**
2020	**36000**	**16000**	**44.46**
2021	**1.31 lac**	**61000**	**46.39**
Total	**1.67 lac**	**77000**	**45.98**

- **2 Operators** have been working in **SDH Bari** and **3 Operators in CHC Rajakhera** were working on OPD counters.
- **2 e-Mitra** kiosks have been working in Bari and **3 e-Mitra** kiosks were working in Rajakhera on OPD slip registration.
- Fee of **Rs 10** in **Bari** and **Rs 20** in **Rajakhera was** payable by the citizens for issuing the patient registration slip, Rs **2.5** payable to e-Mitra.
- This initiative was implemented in **Mar-2020** in SDH Bari.

Patient slips registered in whole District

Area	Total slips registered	Slips registered at e-Mitra	% slips registered at e-Mitra
DH Dholpur	7.37 lac	3.07 lac	41.67
SDH Bari	2.95 lac	1.02 lac	34.68
CHC Rajakera	1.67 lac	77000	45.98
Total	11.99 lac	4.86 lac	40.55

Benefits

- **No peak hours overloading**.
- **Cost of collection decreased.**
- **No. of counters and manpower decreased**.
- **Very convenient for PATIENTS**
  - No need to bring **additional family members**
  - Can get registration slips **7 days before**.
  - Patients from **tehsil levels** used to straight away go to **e-Mitra**.
- Useful during **No/ Slow internet connectivity** in OPD counters of hospital.
- Implemented at Block Levels also.

Challenges

Early problems faced while planning: -

- **Printers:** Its printing was also not possible on printers generally available at e-Mitra centers. It is necessary to use **dot matrix printer** for its printing.

- **Stationary:** According to the guidelines of the Chief Minister's Free Medicine Scheme of the Medical Department, it is necessary to have **pre-printed stationery**, which should be able to print slip of two papers and carbon between these papers.

Both the above problems were discussed and it was decided to provide dot matrix printers free of cost and pre-printed stationery through Rajasthan Medical Relief Society / NGOs and e-Mitra Center.

Implementation Methodology

- Integration of e-Mitra on **IHMS module-**
  Provided access to e-Mitra on **IHMS.**

MOU signed between RMS society and e-Mitra mentioning below clauses:

- **Rs. 30/-** per slip for paid slip was collected from citizen
- **Commission of Rs. 5** given to e-Mitra by RMRS on providing the records.
- E-mitra puts **signature and stamp** on both the pages of slip
- **No fee** collected from citizens for free category slip registration.
- Free category slips were registered on producing **valid document** and e-Mitra centers will mention **category and serial no** of document.
- **Security deposit of Rs. 5000/- collected** from e-Mitra.
- **Dot matrix Printer** and **pre-printed stationary** given to e-Mitra by **NGO/RMRS**.
- In case of overcharging or in case of any **non compliance**, penalty of Rs. 500/- to Rs. 5000/- can be imposed and MOU can be cancelled.

Win-Win-Win
Situation for Hospital, Patients and e-Mitra.

Thanks…